A

CCE RR REVISED

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಜೂನ್, 2018

S. S. L. C. EXAMINATION, JUNE, 2018

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 22. 06. 2018] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 22. 06. 2018] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100

[Max. Marks : 100

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "A"	
	गद्य, पद्य, पोषक अध्ययन (67 अंक)	
I.	**एक-एक** वाक्य में उत्तर :	11 × 1 = 11
1.	लाला झाऊलाल छत पर क्यों टहल रहे थे ?	
	उत्तर : पं० बिलवासी ढाई सौ रुपये लेकर आयेंगे, इसी सोच में पड़े झाऊलाल छत पर टहल रहे थे ।	1
2.	गाँधीजी का पूरा नाम क्या था ?	
	उत्तर : गाँधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
3.	बच्चे को पैरा में डालकर स्त्री ने सिपाही से क्या कहा ?	
	उत्तर : बच्चे को पैरों में डालकर स्त्री ने सिपाही से कहा, "मैं चली जाती हूँ । इस बच्चे को तुम ठोकर मारकर जहाँ चाहे फेंक दो ।"	1
4.	तावीज़ कहाँ तैयार होने लगे ?	
	उत्तर : तावीज़ कारखाने में तैयार होने लगे ।	1
5.	अहिल्या की उम्र क्या थी ?	
	उत्तर : अहिल्या की उम्र करीब पचपन साल की थी ।	1
6.	राज्य में क्या फैल गया था ?	
	उत्तर : राज्य में सर्वत्र भ्रष्टाचार फैल गया था ।	1
7.	पिछड़ा आदमी चुप कब रहता था ?	
	उत्तर : जब सब बोलते हैं, तब पिछड़ा आदमी चुप रहता था ।	1
8.	कबीर के अनुसार भगवान का निवास स्थान कहाँ होता है ?	
	उत्तर : कबीर ने अनुसार भगवान का निवास स्थान हममें (मानव के मन) है ।	1
9.	माँ ने नेपोलियन से क्या कहा ?	
	उत्तर : माँ ने नेपोलियन से कहा, "ठीक है, मैं तुम्हारी सच्चाई से खुश हूँ मगर याद रखना, अब तुम्हें एक महीने तक जेब खर्च के लिए कुछ भी नहीं मिलेगा ।"	1
10.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन-सा है ?	
	उत्तर : जीवन में सफलता प्राप्त करने का एकमात्र मार्ग आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर परिश्रम करना है ।	1
11.	हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर पहचान लेती थी ?	
	उत्तर : हेलेन केलर भोजपत्र के पेड़ के चिकनी छाल, चीड़ की खुरदरी छाल, नयी कलियों, पखुड़ियों की मखमली सतह आदि को स्पर्श से पहचान लेती थी ।	1
II.	**दो-तीन** वाक्यों में उत्तर :	9 × 2 = 18
12.	चम्पारन की समस्या क्या थी ? गाँधीजी ने उसका निवारण किस प्रकार किया ?	
	उत्तर : चम्पारन की समस्या यह थी कि वहाँ के अंग्रेज ज़मींदार किसानों का अपने नील बागानों में काम करवाकर अत्याचार करते थे । गाँधीजी ने इसका स्वयं जाँच कर किसानों की शिकायतें सरकार के सामने रखीं । तीव्र सत्याग्रह के कारण सरकार को गाँधीजी के सुझाव मानने पड़े ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
13.	विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार के बारे में क्या-क्या कहा ? **उत्तर :** विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार के बारे में कहा कि ''हुजूर भ्रष्टाचार हाथ की पकड़ में नहीं आता । वह स्थूल नहीं, सूक्ष्म है, अगोचर है । पर वह सर्वत्र व्याप्त है । उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है ।''	2
14.	बिदेसिया लोकगीत कहाँ गाए जाते हैं ? प्रमुखतः इनमें निहित विषय कौन-सा है ? **उत्तर :** बिहार में बिदेसिया लोकगीत से बढ़कर कोइ गीत नहीं है । भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों से 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है । इनमें अधिकतर रसिक प्रियों और प्रियाओं का बात रहती है, परदेशी प्रेमी की और इनसे करुणा और विरह का रस बरसता है ।	2
15.	स्टेशन में आवश्यक वस्तुओं के खरीदने के लिए कैसी व्यवस्था थी ? **उत्तर :** ट्रेन रुकती है, लोगों का चढ़ना-उतरना दिखाई देता है । स्टेशन पर कॉफी, बिस्कुट, सैंडविच आर सिगरेट की दुकानें हैं । न तो फेरीवाले हैं, न है ''चाय गरम, पान बीड़ी सिगरेट'' की सुरीली आवाज़ । यात्री अपना थोड़ा-सा सामान खुद ही उठाते हैं । कुलियों का जमघट भी नहीं है ।	2
16.	मैना के बारे में रवीन्द्र जी ने क्या कहा ? **उत्तर :** मैना के बारे में गुरुदेव ने कहा, ''देखते हो, यह यूथभ्रष्ट है । रोज़ फुदकती है, ठीक यहीं आकर'' इसकी चाल में एक करूण-भाव दिखाई देता है ।	2
17.	जग का नव निर्माण किस प्रकार करें ? **उत्तर :** कवि कहते हैं कि समाज में समानता लाकर, जो रोगी है उसका रोग मिटाकर, जो दुःखी है उसका दुःख मिटाकर, जो पतित है उसको पावन बनाकर, कर्म में लीन होकर, उत्थान मार्ग को अपना कर्त्तव्य मानकर, नई उमंग से, नष्ट प्राणों के संचार से, एकता से, निःस्वार्थ भाव से और स्वावलंबन से जग का नव निर्माण करें ।	2
18.	सवेरे उठते ही कवि ने किन-किन से क्या-क्या उधार माँगा ? **उत्तर :** सवेरे उठते ही प्रकृति के सुहावने दृश्य देख कवि आनंद विभोर होकर, धूप से गर्मी (स्नेह), चिड़िया से मिठास, हरियाली से ताज़गी, शंखपुष्पी से उजास, हवा से खुलापन और लहरों से उल्लास उधार माँगते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
19.	स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम क्या हैं ? **उत्तर :** विश्वसनीयता, वफ़ादारी, मित्रता, अनुशासनप्रियता, साहस, उच्चतम कर्मठ भावना, सच्ची देशभक्ति, सजगता, दयाभाव आदि स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम हैं ।	2
20.	''मन चंगा तो कठौती में गंगा'', कहावत का अर्थ लिखिए । **उत्तर :** रैदास की भक्ति स यह कहावत प्रचलित है, ''मन चंगा तो कठौती में गंगा'' इसका अर्थ है, परमात्मा सर्वव्यापी हैं । यदि मन शुद्ध है तो उसके (भगवान) दर्शन कहीं भी हो सकते हैं । सच्चे मन की भक्ति से भगवान प्रसन्न होते हैं ।	2
III.	संदर्भ सहित व्याख्या :	4 × 3 = 12
21.	''पर जहाँगीरी अण्डा है क्या ?'' i) पाठ का नाम : ii) लेखक का नाम : iii) व्याख्या : **उत्तर :**	
	i) अकबरी लोटा	$\frac{1}{2}$
	ii) अन्नपूर्णानंद वर्मा	$\frac{1}{2}$
	iii) इस वाक्य को पं० बिलवासी जी, अंग्रेज से कहते हैं । झाऊलाल के उस लोटे को अकबरी लोटा दर्शाकर बिलवाजी जी अंग्रेज से पाँच सौ रुपये कीमत लेते हैं । अंग्रेज ऐतिहासिक लोटा पाने की खुशी में अपने पड़ोसी मेज़र डगलस की याद करते हैं क्योंकि अब इनके पास भी मेज़र डगलस के जहाँगीरी अण्डे से भी अच्छी चीज़ मिली है । जब अग्रेज ने जहाँगीरी अण्डे का जिक्र बार-बार किया तब पंडित जी उत्सुक होकर उपर्युक्त प्रश्न पूछते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
22.	''ठहरो, ठहरो ! कहाँ जाती हो ?''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) अपना-पराया	$\frac{1}{2}$
	ii) जैनेंद्र	$\frac{1}{2}$
	iii) सिपाही ने जब ज़ोर से आवाज़ दी तो स्त्री ज़ोर से सिसकने लगी और बाहर आकर बच्चे को सिपाही के पैरों में डालकर निकल पड़ी । सिपाही सकते में पड़ गया और स्त्री को वापस बुलाते हुए उपर्युक्त वाक्य कहता है ।	2
23.	''पूजा के पश्चात् भोजन तक मैं किसी वस्त्र आदि का स्पर्श नहीं करता ।''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) सच्चा धर्म	$\frac{1}{2}$
	ii) सेठ गोविंद दास	$\frac{1}{2}$
	iii) पुरुषोत्तम की परीक्षा के लिए जब दिलावर खाँ और रहमानबेग उनके घर आते हैं तब पुरुषोत्तम उन्ह बैठने के लिए कहते हैं, तब दोनों बिछावन पर बैठते हैं । दिलावर खाँ, पुरुषोत्तम को भी बैठने को कहते हैं इसका उत्तर देते हुए अपने ब्राह्मण धर्म के आचार-विचारों का परिचय देते हुए पुरुषोत्तम उपर्युक्त वाक्य कहते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
24.	''मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिन्दी हैं हम, वतन है हिन्दोसताँ हमारा ।'' i) कवि का नाम : ii) पद्य का नाम : iii) व्याख्या : **उत्तर :**	
	i) डॉ० इकबाल	$\frac{1}{2}$
	ii) सारे जहाँ से अच्छा	$\frac{1}{2}$
	iii) कवि ने इन पंक्तियों में भारत देश का बखान किया है । यह देश बड़ा ही अनोखा है । भिन्न धर्म, जातियाँ, भाषाएँ आदि होने के बावजूद भी इस देश में एकता है । यहाँ का कोई मजहब शत्रुता नहीं सिखाती, हम एक हैं, हम हिन्दी हैं और हमारा देश हिन्दुस्थान है । भारत देश का गुणगान इस पद्यांश का मुख्य उद्देश्य है ।	2
IV.	लेखक / कवि परिचय :	$2 \times 3 = 6$
25.	श्री कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' : i) जन्म-काल : ii) कृतियाँ : iii) अन्य जानकारियाँ : **उत्तर :**	
	i) सन् 1906 ई०	$\frac{1}{2}$
	ii) भूले हुए चेहरे, दीप जले शंख बजे, क्षण बोलें : कण मुस्कायें, नया जीवन, ज्ञानोदय, विश्वज्ञान (पत्रिकाएँ) ।	1
	iii) कन्हैयालाल जी प्रबुद्ध पत्रकार व प्रभावशाली लेखक थे । सहारनपुर के एक गाँव में इनका जन्म हुआ । विद्यार्थी काल में ही आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भाग लिया था और जेल यात्रा भी की थी ।	$1\frac{1}{2}$

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
26.	रहीम :	
	i) जन्म-काल :	
	ii) कृतिया :	
	iii) अन्य जानकारियाँ :	
	उत्तर :	
	i) सन् 1610 ई०	$\frac{1}{2}$
	ii) रहीम सतसई, बरवै, नायिका भेद, रास पंचाध्यायी, श्रृंगार सोरठा, मदनाष्टक ।	1
	iii) रहीम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था । ये संस्कृत, अरबी, फ़ारसी तथा हिन्दी के मर्मज्ञ विद्वान थे । भगवान कृष्ण में इनकी भक्ति अधिक थी । सन् 1682 ई० में स्वर्ग सिधारे ।	$1\frac{1}{2}$
V.	पद्य भाग की पूर्ति :	$1 \times 4 = 4$
27.	जग में सुख	
	.....	
	.....	
	..... गले लगाना ।	
	अथवा	
	पैदा कर जिस	
	.....	
	.....	
	..... स्वजीवन सारा ।	
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्‌गुण को सद्‌गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा ।	1
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	1
	उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा ।	1
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VI. 28.	पद्य भाग का सारांश : अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है । **अथवा** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है ।	1 × 4 = 4
	उत्तर : इसके रचनाकार कवयित्री (कन्नड मूल) के अक्कमहादेवी हैं ।	1
	कविता – अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वय बहुत कुछ सीख जात हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों का संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है ।	2
	अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं – तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूर-पर्वत की ज्योति को पाने के समान है ।	1 4
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक	
	इसके रचनाकार कवयित्री (कन्नड मूल) के अक्कमहादेवी हैं । कविता – अक्कमहादेवी के वचन	1	
	कवयित्री स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि – प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं – यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं – प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब-कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मरा प्रिय आत्म-सखा है ।	2 1	4
VII.	**छः-सात** वाक्यों में उत्तर :	$3 \times 4 = 12$	
29.	रुपया किन-किन को अपनी शरण में आने के लिए कहता है और क्यों ? **अथवा** अपने शब्दों में रुपये की महानता का वर्णन कीजिए । **उत्तर :** रुपया गीता के गायकों, चण्डी-सप्तशती के पाठकों, भगवत् के भक्तों, सत्यनारायण-कथा के प्रेमियों, रामायण के अनुरागियों, महाभारत के माननेवालों को अपने शरण में आने के लिए कहता है । रुपया का मानना है कि उनके गीत गाए, पाठ पढ़ें, भक्त बनें, कथा सुनें और उनसे अनुराग करें क्योंकि रुपया तारन-तरन, धवल-हरण, मंगल करण, पुण्याचरण हैं । इस तरह रुपया अपनी शरण में आने का संदेश देता है । **अथवा** रुपया हमारा गुलाम होना चाहिए, मगर रुपये के गुलाम हम बन गये हैं । रुपया हर एक का सहारा है । दुनिया रुपयों से दबती है । रुपया ईश्वर है, सत्य है, शिव और सुन्दर है । रुपया सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है, मधुर है । तारन-तरन है, धवल-हरण है, रुपया मंगलचरण है । रुपया राजा, बादशाह है । रुपयों से वरदान लेकर पाप करने पर देवताओं से पूजे जायेंगे । क्योंकि रुपया सर्वशक्तिशाली है । रुपया हमें नचाता है ।	4 4	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
30.	कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटरावजी ने क्या-क्या किया ?	
	अथवा	
	वेंकटराव के जीवन का अभूतपूर्व दिव्यदर्शन का वर्णन कीजिए ।	
	उत्तर : कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराव जी ने लेखनी हाथ में ली । कर्नाटक पत्र, कर्नाटक वृत्त, कन्नड केसरी आदि पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित कराने लगे । ग्रंथाध्ययन से काम नहीं चलेगा, इसके लिए शिलालेख, ताम्रपट और वीरगल्लु, मास्तिकल्लु, प्राचीन सिक्के, प्राचीन इमारतें आदि का अध्ययन शुरू किया । कर्नाटक के गत वैभव का शोध करते-करते वेंकटराव जी ने कर्नाटक के कोने-कोने का भ्रमण किया । हज़ारों रुपये खर्च किये, पर बदले में उनको दस गुना मूल्य का आत्मविश्वास मिला ।	4
	अथवा	
	परीक्षा समाप्त करके वेंकटराव को आलूर में अपनी छुट्टियाँ बिताते समय एक दिन अपने घर के कुल-पुरोहित के साथ 'नव वृन्दावन' जाने का अवसर मिला । वहाँ तुगंभद्रा के प्रशान्त तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियों का दर्शन, हम्पी उत्खनन के बार में जानकारी प्राप्त करना, समझ में आना कि विजयनगर की राजधानी हम्पी थी, दूसरे दिन खुद नदी पार करके वेंकटराव विरुपाक्ष मंदिर गए । ऐसा लगा कि पंपानाथ तथा पंपाबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रहीं हैं । बगल में जो भुवनेश्वरो के मंदिर की मूर्ति थी उसे देखकर ऐसा लगा जैसे उसमें प्राणों का संचार हुआ हो । यह एक अभूतपूर्व दर्शन था । इस यात्रा से वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ आया ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
31.	शीला अग्रवाल ने मन्नू जी को साहित्य की ओर कैसे आकृष्ट किया ? **अथवा** मन्नू भण्डारी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका कैसे निभाई ? **उत्तर :** दसवीं कक्षा तक आलम यह था कि बिना किसी खास समझ के घर में होनेवाली बहसें सुनती थी और बिना चुनाव किए, बिना लेखक की अहमियत से परिचित हुए किताबें पढ़ती थी । लेकिन सन् 45 में जैसे ही हिन्दी की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल से परिचय हुआ, तो उन्होंने बाकायदा साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया । उन्होंने मात्र किताबें पढ़ने को चुनाव करके पढ़ने में बदला । उन्होंने खुद किताबें चुन-चुनकर दीं, पढ़ी हुई किताबों पर बहसें की । अन्य लेखकों, कवियों और साहित्यकारों की किताबें समझ के साथ पढ़ने लगी । इस तरह साहित्य की दुनिया फिर सीमित दायरे से फैलती ही चली गई । इसी संदर्भ में जैनेन्द्र का त्याग पत्र, भगवती बाबू का ''चित्रालेखा'' पर शीला जी के साथ लंबी-लंबी बहसें हुई । इस तरह शीला अग्रवाल जी ने मुझे (मन्नु जी) साहित्य की ओर आकृष्ट किया ।	4
	अथवा सन् 1946-47 ई० में समूचे देश में भारत छोड़ो आंदोलन पूरे उफान पर था । हर तरफ हड़तालें, प्रभात - फेरियाँ, जुलूस और नारेबाज़ी हो रही थी । घर में पिता और उनके साथियों के साथ होनेवाली गोष्ठियों, गतिविधियों ने लेखिका को भी जागरूक कर दिया था । प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने लखिका को स्वतंत्रता-आंदोलन में सक्रिय रूप से जोड़ दिया । जब देश में नियम-कानून और मर्यादाएँ टूटने लगीं तब पिता की नाराज़गी के बाद भी वे पूरे उत्साह के साथ आंदोलन में कूद पड़ीं । उनका उत्साह, संगठन क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता था । वे चौराहों पर बेझिझक भाषण, नारेबाज़ो और हड़तालें करने लगीं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी (मन्नु भण्डारी जी) भी सक्रिय भूमिका थी । इस प्रकार भण्डारी जी ने अपना योगदान राष्ट्रीय आंदोलन में दिया ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "B" **व्याकरण, अलंकार, छन्द (20 अंक)**	
VIII.	सही उत्तर चुनना :	10 × 1 = 10
32.	'इत्यादि' शब्द किस संधि का उदाहरण है ? (A) दीर्घ संधि (B) यण् संधि (C) गुण संधि (D) वृद्धि संधि । **उत्तर :** (B) यण् संधि	1
33.	'उन्नति' शब्द का विलोम शब्द है (A) उन्नीस (B) प्रगति (C) अवनति (D) अविनाश । **उत्तर :** (C) अवनति	1
34.	'अंबर' शब्द का समानार्थक शब्द है (A) आकाश (B) भूमि (C) सूर्य (D) आडंबर । **उत्तर :** (A) आकाश	1
35.	'उत्सुक' शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है (A) खुशी (B) उत्सुकता (C) उत्साही (D) सुखी । **उत्तर :** (B) उत्सुकता	1
36.	<u>हम</u> भारत देश के निवासी हैं — रेखांकित शब्द है (A) संज्ञा (B) क्रिया (C) सर्वनाम (D) विशेषण । **उत्तर :** (C) सर्वनाम	1
37.	'साड़ी' शब्द का बहुवचन रूप है (A) समय (B) कपड़ा (C) साड़ीयाँ (D) साड़ियाँ । **उत्तर :** (D) साड़ियाँ	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
38.	'भिखारी' शब्द का अन्य लिंग रूप है (A) भिखा (B) भिखारिन (C) भीख (D) भिखारी । **उत्तर :** (B) भिखारिन	1
39.	'वैज्ञानिक' शब्द में जुड़ा प्रत्यय है (A) इक (B) विज्ञान (C) वै (D) ज्ञानिक । **उत्तर :** (A) इक	1
40.	'लिखना' का प्रथम प्रेरणार्थक रूप है (A) लिखावट (B) लेखन (C) लिखाना (D) लिख । **उत्तर :** (C) लिखाना	1
41.	'मेज़ पर किताब है' — रेखांकित शब्द में कारक है (A) अधिकरण कारक (B) कर्म कारक (C) करण कारक (D) अपादान कारक । **उत्तर :** (A) अधिकरण कारक	1
IX.	तीसरे पद से संबंधित पद :	4 × 1 = 4
42.	पंचवटी : द्विगु समास :: गुण-दोष : ..... । **उत्तर :** द्वन्द्व समास ।	1
43.	मैंने पत्र लिखा : कर्तृवाच्य :: मुझसे पत्र लिखा गया : ..... । **उत्तर :** कर्मवाच्य ।	1
44.	जो अभिनय करती है : अभिनेत्री :: जो पढ़ा-लिखा न हो : ..... । **उत्तर :** अनपढ़ ।	1
45.	कुत्ता धीरे-धीरे आया : भूतकाल :: कुत्ता धीरे-धीरे आयेगा : ..... । **उत्तर :** भविष्यत् काल ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
X.	छन्द पहचानिए :	3
46.	जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग ।	
	उत्तर :	
	ऽ । ऽ । ऽ । । । ऽ । । । ऽ । ऽ ऽ । जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग (13) (11)	$1\frac{1}{2}$
	यह दोहा छन्द का उदाहरण है । इसके प्रथम चरण में 13 मात्राएँ और दूसरे चरण में 11 मात्राएँ हैं । कुल मिलाकर 24 मात्राएँ हैं । यह एक मात्रिक छन्द है ।	$1\frac{1}{2}$
XI.	अलंकार पहचानिए :	3
47.	मन कांचै नाचै वृथा, सांचै रांचै राम ।	
	उत्तर :	
	* अनुप्रास अलंकार	$1\frac{1}{2}$
	* इसमें 'च' अक्षर की आवृत्ति प्रथम अक्षर के रूप में चार बार, 'र' अक्षर की आवृत्ति दूसरे अक्षर के रूप में दो बार हुई है । इसलिए व्यंज़नों की पुनावृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास अलंकार है ।	$1\frac{1}{2}$
	विभाग – "C" **रचना (13 अंक)** **(वाक्य, पत्र लेखन, निबंध)**	
XII.	अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग :	$2 \times 1\frac{1}{2} = 3$
48.	(a) ओझल हो जाना ।	
	(b) आग से खेलना ।	
	उत्तर :	
	a. अर्थ : गायब होना, अदृश्य होना	$\frac{1}{2}$
	पुलिस को देखकर चोर ओझल हो गया ।	1
	b. अर्थ : खतरा मोल लेना ।	$\frac{1}{2}$
	सैनिक आग से खेलकर देश की रक्षा करते हैं ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII. 49.	पत्र लेखन : अस्वस्थता का कारण बताकर चार दिनों की छुट्टी माँगते हुए अपने कक्षाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए । **अथवा** अपनी पढ़ाई के बारे में जानकारी देते हुए अपने मामाजी के नाम एक पत्र लिखिए । **उत्तर :** छुट्टी पत्र : स्थान : } $\frac{1}{2}$ दिनांक : प्रेषक : $\frac{1}{2}$ सेवा में : $\frac{1}{2}$ संबोधन : $\frac{1}{2}$ विषय : $\frac{1}{2}$ कलेवर (Body of the letter) $1\frac{1}{2}$ अभिभावक का हस्ताक्षर : समापन : $\frac{1}{2}$ हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$ **अथवा** मामा के नाम पत्र : स्थान : $\frac{1}{2}$ दिनांक : $\frac{1}{2}$ संबोधन : $\frac{1}{2}$ कलेवर (Body of the letter) 2 सेवा में : $\frac{1}{2}$ समापन : $\frac{1}{2}$ हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$	$1 \times 5 = 5$ 5

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIV.	निबंध लेखन :	1 × 5 = 5
50.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : i) दूरदर्शन ii) हमारे राष्ट्रीय पर्व iii) प्रदूषण की समस्या । **उत्तर :** (i) प्रस्तावना $\frac{1}{2}$ (ii) विषय प्रवेश 1 (iii) विषय विस्तार 3 (iv) समापन । $\frac{1}{2}$	